हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार, 18 मार्च 2025

12 प्रवीण जोड़ा भाजपा के फतेहाबाद जिलाध्यक्ष बने...

12 श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम ट्रस्ट का वार्षिक समारोह...

आम बजट : ऐतिहासिक 2 लाख 5 हजार 17 करोड़ के बजट के बावजूद फतेहाबाद के हाथ खाली

सीएम का वायदा: सतलुज-यमुना लिंक नहर से मिलेगा प्रदेश को पानी

बजट में फतेहाबाद का जिक्र नहीं, सत्ता पक्ष ने ऐतिहासिक तो विपक्ष ने जिलावासियों से छलावा बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को अपनी सरकार का पहला बजट पेश किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के इतिहास में पहली बार 2 लाख 5 हजार 17 करोड़ का बजट पेश किया। पिछले साल पूर्व सीएम मनोहर लाल ने 1.89 लाख करोड़ का बजट प्रस्तुत किया था। इस बार का बजट पिछले बजट से 13.7 प्रतिशत यानि 16 हजार करोड़ रुपये ज्यादा है। इस बजट की खास बात यह है कि चुनावी वायदे के अनुरूप सीएम ने प्रत्येक महिला को 2100 रुपये देने के बजट का प्रावधान किया है। इसमें प्रतिमाह 5 हजार करोड़ की राशि खर्च होगी। इस योजना का नाम 'लाडो लक्ष्मी योजना' दिया गया है। हालांकि विधानसभा में प्रस्तुत बजट में फतेहाबाद जिले का जिक्र तक नहीं था। इतना जरूर है कि सरकार ने प्रत्येक नगरपालिका में खेल परिसर बनाने व नगरपालिकाओं में सडक़ व सीवरेज की सफाई, सडक़ मुरम्मत आदि मशीनों से करवाने की बात कही है जिससे जिले को फायदा होगा।

- इस बार बजट पिछले से 13.7 प्रतिशत ज्यादा बड़ा

सीएम ने मुख्यमंत्री जल संचय योजना के तहत 100 तालाबों के निर्माण की बात कही : बराला

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सीएम नायब सैनी द्वारा पेश किए गए बजट को सबके हित का ख्याल रखने वाला बताते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री ने बजट में सभी वर्गों का ख्याल किया है। निश्चित रूप से यह बजट हरियाणा के विकास में अपनी भूमिका को निभाएगा। उन्होंने कहा कि सीएम ने बजट में सतलुज-यमुना लिंक नहर के माध्यम से हरियाणा के लोगों को उनके हक का पानी पंजाब से दिलवाने की बात कही है, यह ऐतिहासिक है। बारिश के दिनों में बाढ़ प्रबंधन के लिए सीएम ने मुख्यमंत्री जल संचय योजना के तहत 100 तालाबों के निर्माण की बात कही है, जिससे बाढ़ की संभावना कम होगी और प्रदेश को फायदा होगा। सीएम ने अगले वित्त वर्ष में प्रदेश में साढ़े 6 हजार किलोमीटर सडक़ों के निर्माण को मंजूरी दी है, जिसका निर्माण एनएचएआई करेगी। यह प्रोजेक्ट प्रदेश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देंगे।

कांग्रेस विधायकों के क्षेत्रों से किया गया दसौतेला व्यवहार: दौलतपुरिया

कांग्रेसी विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा कि सोमवार को विधानसभा में प्रस्तुत प्रदेश का बजट मात्र छलावा है। इस बजट में फतेहाबाद जिले का जिक्र तक नहीं। मैंने पिछले दिनों सेमग्रस्त एरिया में सोलर ट्यूबवैलों को बिजली में बदलने, राजकीय कॉलेज का अपना भवन बनाने, नए बन रहे अस्पताल में मेडिकल की क्लासें लगाने व रंगोई खरीफ चैनल के निर्माण की मांग रखी थी। बजट में फतेहाबाद की किसी भी मांग को गंभीरता से नहीं लिया गया। जिला में विपक्षी विधायक है। सरकार ने भाजपा के विधायकों को ही सौगात दी है। फतेहाबाद को कोई तवज्जो नहीं दी गई। उन्होंने कृषि आधारित उद्योग की मांग रखी थी, लेकिन इसे भी नहीं माना गया। सीएम ने एक रटा-रटाया बजट पढ़ा है। प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की बात कही गई जोकि पुरानी घोषणा है।

10 साल में फतेहाबाद में नहीं आया कोई बड़ा प्रोजेक्ट: नारंग

नगर पार्षद मोहन लाल नारंग का कहना है कि अधिकारियों ने नगरपरिषद को भ्रष्टाचार का अड्डा बना रखा है। प्रदेश सरकार इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही। पिछले 10 सालों से भाजपा की सरकार है लेकिन जिले में एक भी बड़ा प्रोजेक्ट नहीं लगा। नगरपरिषद में अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। शहर में आवारा पशु, बंदर घूम रहे हैं लेकिन अधिकारियों को ठेकेदार नहीं मिल रहे। सरकार को चाहिए था कि विधानसभा में इसका जवाब देती। फतेहाबाद से दो बड़े प्रोजेक्ट पहले ही शिफ्ट हो चुके हैं। बरसों से सरकारी अस्पताल निर्माणाधीन है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह फतेहाबाद के विकास को लेकर श्वेत पत्र जारी करे।

पंचायतों में वर्षों से अधूरे पड़े 600 भवनों का काम होगा पूरा: बबली

पूर्व पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली ने मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा पेश किए गए बजट को ग्रामीण विकास में एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए इसकी सराहना की है। उन्होंने कहा कि सीएम ने बजट में प्रत्येक गांव में महिला चौपाल बनाने के लिए 714 गांवों को चिन्हित किया है। इसके अलावा प्रदेश की सभी पंचायतों में वर्षों से अधूरे पड़े 600 से अधिक भवनों को पूरा करवाने का आश्वासन दिया है जिस पर 64 करोड़ की लागत आएगी। उन्होंने बजट को आम आदमी का बजट बताते हुए इसे सबके हितों वाला बताया है। उन्होंने ग्रामीण विकास में बजट में बढ़ोतरी करने व पदों के नए सृजन के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

सिरसा को मिली कई सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

- सिरसा के नागरिक अस्पताल में स्थापित होगी एमआरआई मशीन
- पन्नीवालामोटा इंजीनियरिंग कॉलेज होगा अपग्रेड

मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए बजट में सिरसा को कई क्षेत्रों में सौगात मिली है। सरकार ने बजट में स्वास्थ्य, तकनीकी शिक्षा, झींगा पालन, शिक्षा व बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रावधान किया है। जिला मुख्यालय पर स्थापित सिरसा के नागरिक अस्पताल में इलाज करवाने वाले लोगों के लिए सरकार की ओर से एमआरआई की भी सुविधा देने का बजट में विशेष ध्यान रखा गया है। उल्लेखनीय है कि पहले नागरिक अस्पताल में केवल एक्सरे व अल्ट्रासाउंड की सुविधा थी और एमआरआई के लिए मरीज को बाहर निजी अस्पतालों में जाना पड़ता था। अब सरकार ने इस बजट में सिरसा के नागरिक अस्पताल में एमआरआई मशीन स्थापित करने का फैसला किया है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को फायदा मिलेगा। बजट में पन्नीवालामोटा स्थित इंजीनियरिंग कालेज को भी सरकार ने अपग्रेड करने का फैसला किया है। यह कालेज प्रदेश के दो शिक्षण संस्थानों में से एक होगा। देश और विदेश में बढऩे वाली मांग को देखते हुए सरकार द्वारा अपग्रेड करने की सूची में पन्नीवालामोटा इंजीनियरिंग कालेज को शामिल किया गया है। इस पर करीब 50 लाख रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है जो मशीनरी, स्टाफ व खेल आदि पर खर्च की जाएगी। आज के बजट में डबवाली के मॉडल संस्कृति स्कूल को भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तौर पर विकसित करने का प्रावधान किया गया है। सरकार की ओर से दुग्ध उत्पादन व बागवानी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने प्रस्तुत बजट में विशेष ध्यान रखा है, जिसमें सिरसा जिला भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने बजट में हरित योजना स्टोर के अंतर्गत सिरसा में किन्नू उत्पादक हरियाणा एग्रो कार्पोरेशन के तहत एक जूस प्रसंस्करण स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। सिरसा जिला में मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी सरकार की ओर से बजट में प्रावधान किया गया है। मछली पालकों को महंगी रेट पर मिलने वाली बिजली का टेरिफ बढ़ाने का फैसला लिया गया है। उल्लेखनीय है कि डबवाली, बड़ागुढ़ा, ओढां, ऐलनाबाद, चोपटा व सिरसा में काफी किसान झींगा पालन कर रहे हैं। अब सफेद झींगा पौंड पर दस किलो वॉट की सीमा बढ़ाकर 30 किलो वॉट का प्रावधान किया गया है, वहीं ऋण देने का भी सरकार ने फैसला लिया है।

खबर संक्षेप

साइबर ठगों से रहें सावधान: एसपी

सिरसा। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने आमजन को साइबर अपराधियों से सचेत रहने की सलाह देते हुए कहा कि आज के आधुनिक युग में साइबर अपराधी भी दिन प्रतिदिन नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे है। साइबर ठगों ने अब ठगी का एक नया तरीका अपनाया है, जिसे जंप डिपोजिट का नाम दिया गया है।

जाखल में बढ़ते अपराध से व्यापारियों में रोष

फतेहाबाद। जाखल में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर व्यापारियों ने थाना प्रभारी से मुलाकात की। नगर पालिका के नवनियुक्त अध्यक्ष विकास कामरा के नेतृत्व में मंडी के व्यापारी, आढ़ती और सेलर मालिक थाने पहुंचे। व्यापारियों ने छीना-झपटी, चोरी और लूट की घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने जांच अधिकारी एएसआई मनीष कुमार को बदलने की मांग की।

लाखों की हेरोइन सहित तीन युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशे तस्करों पर कड़ा प्रहार करते हुए टोहाना पुलिस की अपराध शाखा टीम ने डीएसपी उम्मेद सिंह के नेतृत्व में सिंबल रोड से भाखड़ा नहर के पास तीन व्यक्तियों को 270 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। डीएसपी उम्मेद सिंह ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ को लेकर पुलिस टीम नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी।

नितिन यादव ने जीता मिस्टर हरियाणा का खिताब, कुलदीप बने मिस्टर फतेहाबाद

- दी फतेहाबाद बॉडी बिल्डिंग एवं फिजिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने प्रतियोगिता का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। मिस्टर हरियाणा को सम्मानित करते अतिथिगण। *फोटो: हरिभूमि*

दी फतेहाबाद बॉडी बिल्डिंग एवं फिजिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा मिस्टर हरियाणा सीनियर व मिस्टर फतेहाबाद 2025 बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप का आयोजन सोमवार को एमएम कॉलेज में किया गया। इस चैम्पियनशिप में प्रदेशभर से बॉडी बिल्डरों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर जिला परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि एवं प्रमुख समाजसेवी सुभाष खीचड़ और समाजसेवी नरेन्द्र मग्घर ने भाग लिया वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर समाजसेवी मनप्रीत सिंह, मोबाइल मार्किट के प्रधान विकास बत्रा, बार एसोसिएशन के प्रधान दिनेश गेरा एडवोकेट व स. अंग्रेज सिंह ने शिरकत की और बॉडी बिल्डरों का हौंसला बढ़ाया।

सिंचाई पानी की सप्लाई सुचारू करवाने को लेकर धरना

- किसानों ने दी चेतावनी, अधिकारियों ने दिया 26 मार्च तक का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। सिंचाई विभाग में धरना देते किसान। *फोटो: हरिभूमि*

सिंचाई पानी की सुचारू सप्लाई को लेकर सोमवार को जिलाभर के किसानों ने हरियाणा किसान मंच के बैनर तले सिंचाई विभाग कार्यालय में सुबह 10 बजे से सांय 5 बजे तक धरना दिया। मंच के प्रदेशाध्यक्ष बाबा गुरदीप सिंह झिड़ी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल की अधिकारियों से बातचीत हुई, जिसमें विभाग के एसई के अनुपस्थित रहने के चलते किसानों को 26 मार्च तक का आश्वासन दिया गया है। वहीं किसानों ने भी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे फिर से सिंचाई विभाग कार्यालय में मोर्चा लगाएंगे। बाबा गुरदीप सिंह झिड़ी ने कहा कि सरकार की ओर से शैड्यूल के मुताबिक किसानों को नहरी पानी की सिंचाई नहीं दी जा रही। जिसके चलते जहां किसानों की बिजाई बाधित होगी, वहीं उत्पादन में भी कमी आएगी। उन्होंने बताया कि मई व जून में कॉटन की बिजाई होती है और गर्मी का मौसम होने के कारण इस वक्त पानी की अधिक आवश्यकता होती है। ऐसे में सिंचाई का पानी पर्याप्त नहीं मिलने से फसल अच्छी नहीं होगी और किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों को उनके हक का पानी दिलाने के लिए ही हरियाणा किसान मंच लगातार संघर्ष कर रहा है। बाद दोपहर अधिकारियों ने किसानों को बातचीत के लिए बुलाया। विभाग के एसई के बाहर होने पर अधिकारियों ने किसानों को 26 मार्च तक का आश्वासन दिया, जिसपर किसान धरना उठाने को सहमत हो गए, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि अगर 26 तक समस्या का समाधान नहीं हुआ तो मजबूरन उन्हें मोर्चा लगाना पड़ेगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नैब नंबरदार, सिकंदर भींवा, मंदर भींवां, सोहन सिंह एसडीओ, सुरजीत बेगू, मग्घर कुरंगावाली, जतिंद्र कुरंगावाली, जसपाल बप्पां, लीला मैंबर थिराज, धर्मपाल लाट, राजेंद्र बैनीवाल, बलविंद्र सिंह, गुरनाम सिंह पक्का, राजेंद्र रूपावास, दलीप सिंह, पूर्व सरपंच रायपुर, देवीलाल शाहपुरिया, धर्मवीर सिवालिया, जसवीर साहू भंगू, बलकरण भंगू जिला परिषद सदस्य, मंदर सिंह भींवां, मग्घर सिंह कमाल, कुलदीप सिंह सुखचैन, जसवंत सिंह सुखचैन उपस्थित थे।

रेप के आरोपी डॉक्टर का मुंह काला कर बाजार में घुमाने का मामला

दो पूर्व पार्षद सहित 9 लोग दोषी करार, 19 को सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। अस्पताल में तोडफ़ोड़ करते लोग। *(फाइल फोटो)*

शहर के पुराने बस स्टैंड पर स्थित प्राइवेट अस्पताल संचालक डॉ. जिम्मी जिंदल को अस्पताल से किडनैप कर, उसका मुंह काला और अद्र्धनग्न करके बाजार में घुमाने और मारपीट करने के मामले में कोर्ट ने 9 लोगों को दोषी करार दिया है। अक्टूबर 2017 के इस बहुचर्चित मामले की सुनवाई मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव की अदालत में हुई। 9 दोषियों में राजेंद्र चौधरी काका, बलजीत बिट्टा, कृष्ण कुमार, अनिल कुमार, पूर्व पार्षद सुभाष पपिया, प्रेम सागर, सुभाष रायल, वीरेंद्र व रमन कुमार शामिल हैं। इसके अलावा एक आरोपी की मौत हो चुकी है। अदालत द्वारा इन दोषियों को 19 मार्च को सजा सुनाई जाएगी। इनमें से एक आरोपी काका चौधरी अक्टूबर 2024 में निर्दलीय तौर पर विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुका है। बता दें कि डॉ. जिम्मी जिंदल पर स्टूडेंट के साथ पहले छेड़ख़ानी, फिर रेप का आरोप लगा था। 28 अक्टूबर 2017 की दोपहर को कुछ लोग डॉ. जिम्मी जिंदल के अस्पताल पहुंचे और अस्पताल में तोडफ़ोड़ शुरू कर दी। डॉक्टर को पीटते हुए बाहर ले आए। उसके कपड़े फाड़ दिए गए और मुंह पर कालिख पोत दी। मारपीट करने वालों का आरोप था कि डॉक्टर ने उसके पास इलाज के लिए आई एक स्टूडेंट के साथ छेड़खानी की है।

कोर्ट सुना चुकी साढ़े 5 साल की सजा

डॉ. जिम्मी जिंदल पर स्टूडेंट के साथ पहले छेड़ख़ानी, फिर रेप का आरोप लगा था। मामले में सितंबर 2021 में कोर्ट आरोपी डॉक्टर को दोषी करार देकर साढ़े पांच साल की कैद की सजा सुना चुकी है। कोर्ट ने कहा था कि आपकी अथॉरिटी में ऐसी महिला है, जो आप पर विश्वास करती है और कोई उसके विश्वास का फायदा उठाकर यदि रेप करता है, तो वह धारा 376-सी के तहत सजा का दोषी होगा।

एनएचएम कर्मी करेंगे सीएम आवास का घेराव

- प्रदर्शन को लेकर संघ जिलेभर में जनसम्पर्क अभियान चला रहा
- कर्मचारियों से प्रदर्शन में बढ़चढ़ कर भाग लेने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। प्रदर्शन को लेकर जिले में जनसम्पर्क अभियान चलाते कर्मचारी।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ द्वारा एनएचएम कर्मचारियों की मांगों को लेकर 23 मार्च को कुरूक्षेत्र में सीएम आवास का घेराव करते हुए प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन को लेकर संघ द्वारा जिलेभर में जनसम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष विपिन शर्मा की अगुवाई में संघ की टीम ने भूना, जाखल और रतिया क्षेत्र का दौरा कर कर्मचारियों से इस प्रदर्शन में बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया। इसको लेकर 18 मार्च मंगलवार को संघ द्वारा जिला उपायुक्त को भी ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष विपिन शर्मा ने बताया कि 15 अगस्त 2024 को मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कच्चे कर्मचारियों के लिए एक एक्ट की घोषणा की थी जिससे प्रदेश के सभी कच्चे कर्मचारियों की सेवा सुरक्षित हो गई थी। इस एक्ट के कारण एनएचएम कर्मचारियों में भी अपने सुरक्षित भविष्य की एक उम्मीद जगी थी और एनएचएम कर्मचारियों ने बढ़ चढक़र भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपने मतों का उपयोग भी किया था। परंतु सरकार बनते ही मुख्यमंत्री व हरियाणा सरकार के उच्च अधिकारियों ने एनएचएम कर्मचारियों के मान-सम्मान के साथ खिलवाड़ करना शुरू कर दिया था।

धौलू गांव के श्मशान घाट में तांत्रिक क्रिया

- आरोपी बोला, चिता के छेड़छाड़ नहीं की और न ही मुर्गे की बलि दी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद/भूना

भूना। धौलू गांव के ग्रामीण पुलिस स्टेशन में आरोपियों को देखने पहुंचे।

धौलू गांव के श्मशान घाट में तांत्रिक विद्या और टोने-टोटके करने के मामले में फरार पांच आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान हिसार जिले के केलाना गांव निवासी गूगन राम और मोहित कुमार, गैबीपुर निवासी रमेश कुमार और निगम कुमार तथा बरवाला निवासी चंद्र प्रकाश के रूप में हुई। गिरफ्तारी की खबर मिलते ही धौलू गांव से सैकड़ों लोग पुलिस स्टेशन पहुंच गए। एसएचओ की मौजूदगी में ग्रामीणों ने आरोपियों से श्मशान घाट में तांत्रिक क्रिया करने को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी। आरोपी मोहित कुमार और गूगन राम ने बताया कि धौलू गांव के रोहताश कुमार और उनकी पत्नी लंबे समय से बीमार थे। वे राजस्थान के सजाड़ा धाम स्थित बाबा त्रिलोक भारती के मंदिर में जाते थे। वहां उन्होंने भूत-प्रेत और ऊपरी बाधा से पीड़ित होने की जानकारी दी थी। मंदिर में आने से पीड़ित व्यक्ति स्वतः ठीक होने लगता है। मगर रोहताश के परिवार की परेशानी दूर नहीं हुई। इसके बाद वे धौलू के श्मशान घाट में मुर्गा और पानी का मटका रखकर आए थे। पांचों आरोपियों ने ग्रामीणों और एसएचओ के सामने कबूल किया कि उन्होंने किसी की चिता से छेड़छाड़ नहीं की और न ही मुर्गे की बलि दी।

12 प्रस्ताव पास कर सरकार के समक्ष भेजे गए

डीसी कार्यालय के सामने कर्मचारी जन असेंबली आयोजित

- वेतन-भत्तों में संशोधन की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। कर्मचारी जन असैम्बली को संबोधित करते कर्मचारी नेता।

सर्व कर्मचारी संघ द्वारा सोमवार को उपायुक्त कार्यालय के सामने जन असैम्बली का आयोजन किया गया। असैम्बली में कर्मचारियों द्वारा अपने सेवा सम्बन्धी दायित्व और जीवनयापन के बारे में गुण-दोष की चर्चा के आधार पर वेतन-भत्तों में संशोधन की मांग की गई। असैम्बली में मुख्य वक्ता के तौर पर संघ के राज्य प्रधान धर्मवीर फौगाट और कर्मचारी नेता बेगराज ने भाग लिया। असैम्बली में 12 प्रस्ताव पास करके सरकार को भेजे गए। असैम्बली को संबोधित करते हुए राज्य प्रधान धर्मवीर फौगाट ने कहा कि हर 10 वर्ष बाद केंद्र सरकार द्वारा कर्मचारियों के वेतन संशोधन के लिए आयोग का गठन किया जाता रहा है। कर्मचारी नेता भूप सिंह भडोलावाली, सुरजीत दुसाद, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ राज्य प्रधान प्रभु सिंह, पूनम कुमारी ने कहा कि आमतौर पर हरियाणा सरकार केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप वेतनढांचा बनाने का दावा करती रही है लेकिन कभी भी उसे हुबहू लागू नहीं किया गया है। इसके परिणामस्वरूप अनेक प्रकार की विसंगतियां और शिकायतें खड़ी रह जाती हैं।

कर्मचारी असेंबली में पास हुए प्रस्ताव

राज्य के लिए अलग से वेतन आयोग बनाया जाए। पांच इकाई का परिवार मानते हुए 2700 कलौरी भोजन के साथ न्यूनतम वेतन निर्धारित किया जाएं। न्यूनतम व अधिकतम वेतन को 1:7 में करके पर्याप्त व न्यायसंगत रखा जाएं। भत्तों में वार्षिक वृद्धि दर डी ग्रुप की 5 प्रतिशत से ऊपर के अधिकारियों की 3 प्रतिशत के बीच में घटती दर से रखी जाए। स्थाई प्रकृति के सभी कार्यों के लिए नियमित कर्मचारी हों। जहां भी अस्थाई कर्मचारी हैं, उन्हें नियमित कर्मचारियों की तरह वेतनमान, वार्षिक वेतन वृद्धि, भत्ते व सुविधाएं दी जाएं। पहली नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन प्रणाली लागू की जाएं। रिटायर्ड कर्मचारियों की कम्युटेशन 10 वर्ष में पुरी की जाएं। साथ ही 65-70-75-साल की उम्र पर 5-10-15 की दर से पेंशन बढ़ोतरी होनी चाहिए।

हरिभूमि
रोहतक मंगलवार
18 मार्च 2025

सहेली

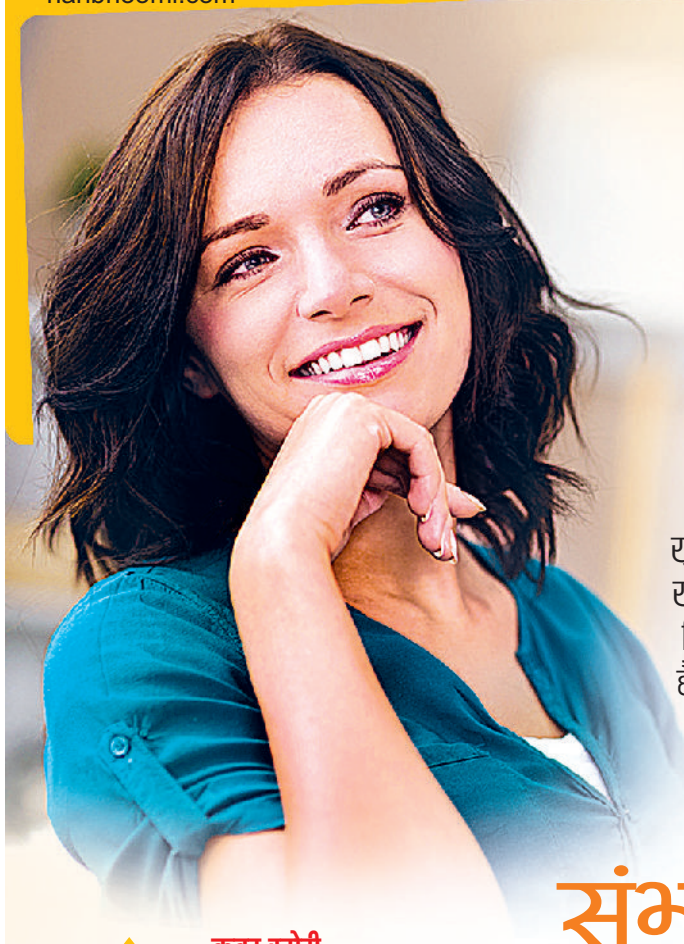

स्पेशलः इंटरनेशनल-डे ऑफ हैप्पीनेस, 20 मार्च

खुश रहना जीवन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वस्थ जीवन के लिए खुशी बहुत जरूरी है। खुश इंसान शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर न सिर्फ अपना जीवन संवारता है, दूसरों की भी संभाल और देखभाल कर सकता है। आपसी केयरिंग-शेयरिंग इंसान को बहुत बड़ा संबल देती है। शायद इसीलिए इस साल इंटरनेशनल-डे ऑफ हैप्पीनेस की थीम है- शेयरिंग इज केयरिंग। यह बात आज के दौर में तब और ज्यादा मायने रखती है, जब समाज-परिवार में आपसी संवाद और अपनेपन के भाव कम होते जा रहे हैं।

संभाल-साझेदारी के भाव देते हैं खुशियां

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

खुश रहना खुद के प्रति भी एक जिम्मेदारी है। खुश रहकर ही खुशहाल परिवेश बनाया जा सकता है। खुशमिजाज अभिभावक ही नई पीढ़ी को खुशियों की विरासत दे सकते हैं। खुश रहने से सेहत अच्छी रहती है। स्वस्थ इंसान ही अपने से जुड़े लोगों की केयर कर सकता है। खुशियां अपने साथ हर तरह की सुखदायी सौगात लेकर आती हैं। यही वजह है कि थोड़ा ठहर कर मन को समझने की जरूरत होती है। भावनाओं की दिशा को आंकने की दरकार होती है। नाखुशी के कारण जानने की कोशिश आवश्यक है। इंटरनेशनल-डे ऑफ हैप्पीनेस ऐसी ही बातें याद दिलाती है।

जरूरी हैं संभाल-साझेदारी के भाव

साल 2025 में इंटरनेशनल-डे ऑफ हैप्पीनेस की थीम 'शेयरिंग इज केयरिंग' है। यानी संभाल-देखभाल और साझेदारी के इमोशंस से जुड़ी है। यह सब्जेक्ट मेंटल हेल्थ से लेकर रिश्तों और शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़े पहलुओं को भी संबोधित करता है। साझेदारी और संभाल दोनों ही बातें व्यक्तिगत ही नहीं, पूरे समाज की खुशहाली से जुड़े भाव हैं। इतना ही नहीं, शेयरिंग और केयरिंग का भाव एक-दूजे से भी गहराई से जुड़ा है। मन जीवन से जुड़ी बातों और हालातों को साझा करने से संभाल देखभाल की राह निकलती है।

खुशियों की साझी बुनियाद

दिल की बात कहना, समझाइश देना, समय निकालना या कोई काम की चीज देकर सहयोग करना शेयरिंग है। इसी की बुनियाद पर केयरिंग सोच के इमोशन भी टिके हैं। अपने दिल के भाव साझा करना विश्वास और सम्मान से जुड़ा है। वहीं किसी को समझने-जानने के लिए समय निकालने का भाव केयरिंग है। यह खुशियां पाने की साझी बुनियाद है। शेयरिंग और केयरिंग से जुड़े इमोशंस बहुत पॉजिटिव होते हैं। भरोसे की नींव मजबूत करते हैं। दो इंसानों में ही नहीं, पूरे समाज में सहयोग की भावना बढ़ाते हैं। एक-दूसरे की परवाह करने की सोच को बल देते हुए हर परिस्थिति को सहज बनाए रखने वाले इमोशंस हैं।

समझना मुश्किल नहीं, इन बातों से हर इंसान को खुशी ही मिलती है। ऐसे हालातों में सभी के लिए सहजता से खुशियों को जीने की राह निकलती है।

केयरिंग कल्चर की जरूरत

मौजूदा दौर में सचमुच केयरिंग कल्चर को अपनाने की आवश्यकता है। किसी घर में बच्चे अकेले समय बिता रहे हैं तो कहीं बुजुर्गों को सेवा-सुश्रूषा नहीं मिल पा रही है। ऐसे में एक दूजे की केयर करने और साथ देने का भाव हर किसी को खुशी ही देगा। यों भी सुख-दुख साझा करने से ही खुशियां पाई जा सकती हैं। देखभाल की इस संस्कृति को विस्तार देने का पहला पड़ाव शेयरिंग ही है। आपसी संवाद से अपनेपन का भाव आता है। आपाधापी भरी जिंदगी में तो आस-पड़ोस में भी आपसी संवाद की कड़ी टूट गई है। परिवार के सदस्य भी एक-दूसरे से कम ही बतियाते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इस अलगाव के साथ ही नाखुशी भी विस्तार पा रही है। अनहैप्पी लोगों के आंकड़े भी बढ़ रहे हैं। हर उम्र के लोग अकेलेपन और अवसाद के घेरे में हैं। इसीलिए मन की परेशानियां साझा करने के साथ ही केयरिंग कल्चर को बढ़ावा देना भी जरूरी है। पारस्परिक निर्भरता से बनने वाला सहयोगी परिवेश सभी की झोली में खुशियां भर देता है।

खुशियों का स्वागत

हाल के वर्षों में दुनिया के हर समाज में ही असंतोष, चिंता, उदासी, गुस्से और अपराधबोध के इमोशंस बढ़े हैं। लोग खुश रहने और दूसरों को खुश रखने वाले सहज व्यवहार को भूल रहे हैं, जबकि वैज्ञानिक अध्ययन भी कहते हैं कि दोस्तों और परिवार का साथ देने वाले लोगों की मेंटल और फिजिकल हेल्थ बेहतर रहती है। यह जुड़ाव जितना गहरा होगा, इंसान उतना ही अच्छा महसूस करता है। यानी शेयरिंग और केयरिंग दूसरों को खुशी देने का ही नहीं, खुद को खुश रखने का भी रास्ता है। उदार सोच अपने मन को भी तनाव से दूर रखती है। यह भाव कॉमन खुशियों को न्योता देने वाला है, क्योंकि लोगों की खुशी पूरे समाज की खुशहाली से जुड़ी है। इसीलिए हैप्पीनेस के स्वागत के लिए किसी दोस्त की सहायता करने और इमोशनल सपोर्ट देने का भाव रखें। जरूरतमंद इंसान की मदद करने के मोर्चे पर डटें। उदासी से जूझते किसी इंसान के साथी बनें। जितना संभव हो उचित सलाह देने का प्रयास करें। आम-सा लगने वाला यह मेल-जोल हर किसी को खुशी ही देता है।

अपनी मम्मी के साथ टीनएज गर्ल्स क्यों करती हैं मिसबिहेव

बिहेवियर
नीलम अरोड़ा

एक समय था सविता और उसकी टीनएज बेटी प्रियंका के बीच आए दिन तकरार होती थी। स्कूल की क्लास बंक करना, ट्यूशन की क्लास बंक करना, जिनके साथ सविता मना करती थी, उनके साथ इधर-उधर घूमना, कमरा बंद करके अपनी फ्रेंड्स के साथ घंटों बातचीत में लगे रहना, इन आदतों से सविता अकसर उसे डांटती रहती थी। बीच-बीच में सविता और उसकी बेटी के साथ रिश्ते काफी खराब हो गए थे। आज सविता की बेटी पचीस साल की एक समझदार, सुलझी हुई और अपने करियर के प्रति बहुत सीरियस युवती है। आज सविता को समझ में आ चुका है कि अकसर बेटियां और मांएं क्यों एक लंबा समय तनाव के बीच गुजारती हैं।

मां-बेटी के बीच क्यों रहता है तनावः टीनएज में जहां बेटियां हार्मोनल परिवर्तन का सामना कर रही होती हैं, वहीं मांएं भी बेटियों के मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन और बात-बात पर कटाक्ष और मिसबिहेव से खीजती हैं। मांएं अपनी बेटियों पर कंट्रोल करना चाहती हैं, लेकिन बेटियां उनको सुनने को तैयार नहीं होतीं। बेटी की अनमैच्योरिटी और उसमें समझ की कमी मांओं को और ज्यादा तनावग्रस्त करती है। एक-दूसरे के प्रति शिकवा-शिकायतें, गलतफहमियां रहती हैं। नतीजा यह होता है कि दोनों के बीच लंबे समय तक बातचीत बंद हो जाती है। कई बार तो किशोर बेटी मां से बहुत दूर होती जाती है। सविता की तरह बहुत-सी मांएं अपनी टीनएजर बेटी के मिसबिहेव को सहती हैं, तनाव में रहती हैं।

क्या करें टीनएजर के पैरेंट्सः टीनएज में लड़कियों के मूड या व्यवहार में अचानक परिवर्तन दिखता है। ऐसे में मांओं को समझदारी के साथ गहराई से सोचना चाहिए कि बेटी छोटी-छोटी बातों पर क्यों गुस्सा हो जाती है? दरअसल, टीनएज में जब बच्चे अपने अलग व्यक्तित्व और पहचान को प्रकट करना चाहते हैं तो पैरेंट्स की नसीहतें उन्हें अपनी आजादी में खलल लगती है, जिसकी वजह से मां-बेटी के रिश्तों में कड़वाहट आ जाती है। ऐसे में मां को ही समझदारी से काम लेना चाहिए। अगर टीनएज बेटी के ड्रेसिंग या अन्य एक्टीविटीज के बारे में मां को कोई परेशानी या आपत्ति है तो बेटी को अपने बारे में कुछ डिसीजन लेने की छूट दें, लेकिन कुछ सीमाओं के साथ।

पीयर प्रेशर का सामनाः आजकल के टीनएज बच्चे पीयर प्रेशर, समाज में अपनी स्थिति, एजुकेशन, करियर और अन्य दूसरी चीजों के कारण तनाव और दबाव पहले की तुलना में ज्यादा महसूस करते हैं। इस तरह की बातें टीनएज लड़कियों को चिड़चिड़ी और तनावग्रस्त बनाती हैं। इन सबका गुस्सा अकसर टीनएज बेटियां अपने मम्मी-पापा पर उतारती हैं, वे अपनी मम्मी से चिढ़ने लगती हैं। पैरेंट्स के रूप में मांओं को उन पर पड़ने वाले दबावों के प्रति सजग रहते हुए उनकी मानसिक स्थिति को समझना चाहिए। क्योंकि कभी-कभी दुख और अवसाद के क्षणों में हमें भी ऐसे महसूस होता है कि कोई तो हमारी सुने, तो फिर अपनी बेटी की शिकायत हमें क्यों परेशान करने वाली लगती है? चीजों को देखने का नजरिया उसका भले ही मैच्योर न हो, लेकिन उसकी भावनाएं तो मायने रखती हैं। 'तुम इतना परेशान क्यों हो' कहने की बजाय 'हां, मैं समझ सकती हूं, तुम परेशान हो, मैं तुम्हारी क्या हेल्प कर सकती हूं?' कहकर आप उसका मन हल्का कर सकती हैं।

बेटी के साथ रखें अच्छा कम्युनिकेशनः बेटी के साथ कम्युनिकेशन का रास्ता हमेशा खुला रखें। टीनएज बेटी के साथ ज्यादा सख्त व्यवहार स्थिति को और नाजुक बना सकता है। इस बात को मांएं याद रखें, उनकी बेटी तो बड़ी हो रही है लेकिन वे स्वयं बड़ी हैं।

इंटीरियर
रेखा

वैसे तो घर में फ्लोरिंग कराने के कई ऑप्शंस अवेलेबल हैं। लेकिन अगर आप कम बजट में अट्रैक्टिव लुक चाहती हैं तो वुडेन फ्लोरिंग अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

वुडेन फ्लोरिंग घर को दे अट्रैक्टिव लुक

आज के समय में बहुत लोग अपने घरों में महंगे मार्बल्स की जगह लकड़ी से बनी फर्श बनवाना पसंद करते हैं। इसे वुडेन फ्लोरिंग कहा जाता है। इससे घर का इंटीरियर लुक ही बदल जाता है। यही वजह है कि इन दिनों वुडेन फ्लोरिंग काफी ज्यादा चलन में है।

ट्रेंड में है वुडेन फ्लोरिंगः इन दिनों वुडेन फ्लोरिंग काफी ज्यादा ट्रेंड में है। ज्यादातर लोग इसे पसंद कर रहे हैं। खास बात यह है कि वुडेन फ्लोरिंग अपनी इंसुलेटिंग क्षमता के कारण लंबे समय तक खराब नहीं होती। इसे केवल 3-4 घंटों में ही रेडी किया या जा सकता है, क्योंकि तख्तों को एक-दूसरे के साथ एक विशेष बॉन्डिंग के साथ जोड़ते हुए इंटरलॉक किया जाता है। इसे लगाना आसान है। इसे लगाने पर लॉक करने के लिए 'टंग एंड ग्रूव' तकनीक या किसी चिपकाने वाले पदार्थ अथवा कीलों का प्रयोग करते हैं। बाजार में डिफरेंट पैटर्न और लुक में आपको वुडेन फ्लोरिंग के ऑप्शंस मिल जाएंगे।

डिजाइनर नक्काशीः इसे कवर्ड पैटर्न भी कहते हैं। इस पैटर्न में लकड़ी पर डिजाइनर नक्काशी की जाती है। यह एक बेहद खूबसूरत कला है। डिजाइनर नक्काशी वाली वुडेन फ्लोरिंग की कलर और अपीयरेंस, सूरज की रोशनी में और चमक उठता है।

बॉक्स डिजाइंड पैटर्नः इसे परक्यूट पैटर्न भी कहते हैं। फ्लोरिंग का यह पैटर्न आपके रूम को बिल्कुल नया और वार्म लुक देता है। बॉक्स डिजाइंड का यह पैटर्न चेस बोर्ड की तरह लाइट और ब्राइट कलर कॉम्बिनेशन में आता है, जिससे रूम को बहुत डिफरेंट और अट्रैक्टिव लुक मिलता है।

हीरिंगबोन पैटर्नः यह पैटर्न जिग-जैग डिजाइन में मिलता है। यह पैटर्न घर को रैंडम लुक देता है। वुडेन का क्रीमिश कलर मैचिंग दीवारों के साथ खूब फबता है।

बॉर्डर पैटर्नः वुडेन फ्लोरिंग का यह पैटर्न आपके फ्लोर के बॉर्डर को आउटलाइन करता है। इससे कमरे को फॉर्मल लुक मिलता है। अगर आप बिना डिजाइन की फ्लोरिंग चाहती हैं, तो इस वुडेन पैटर्न को चूज कर सकती हैं।

जब संभव न हो रियल वुड फ्लोरिंगः अगर आपको लगता है कि रियल वुडेन फ्लोरिंग आपके बजट में नहीं है, तो इस बात को लेकर अफसोस करने की जरूरत नहीं है कि आप अपने घर को खूबसूरत लुक नहीं दे पाएंगी। आधुनिक तकनीक की वजह से आज बाजार में ऐसी फ्लोरिंग उपलब्ध हैं, जो वुडेन न होने के बावजूद उस जैसी ही लगती हैं। इसे लगाकर आप कम खर्च में हार्डवुड जैसा एलिगेंट लुक डेकोर में ला सकती हैं। ये डिजाइन विनायल प्लैंक फ्लोरिंग यानी पॉली विनायल क्लोराइड (पीवीसी) से बनी होती है। यह एक बहुत ऊंची क्वालिटी का प्लास्टिक होता है, जिसके पीछे चिपकाने वाला पदार्थ लगाकर फ्लोर पर चिपका दिया जाता है। देखने में बिल्कुल हार्डवुड जैसी लगने वाली यह वुडेन फ्लोरिंग, वाटरप्रूफ भी होती है और इस पर दीमक भी नहीं लगती है।

• वुडेन फ्लोरिंग की ऐसे करें केयर

वुडेन फ्लोरिंग पर जमी धूल-मिट्टी को साफ करने के लिए सूखे कपड़े से ही पोंछें। हर 5-6 साल के अंतराल पर फर्श को पॉलिश जरूर कराएं। अगर कमरे की फर्श पर धूप आती है, तो वहां परदे का इस्तेमाल करें, क्योंकि धूप से लकड़ी का रंग फीका पड़ सकता है। फर्श पर पानी इकट्ठा न रहने दें, क्योंकि इससे लकड़ी खराब हो सकती है।

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बालों की समस्याएं दूर करने में कारगर है नीबू

बढ़ते पॉल्यूशन और केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट्स यूज करने की वजह से बहुत सी महिलाएं कम उम्र में ही बाल सफेद होने की समस्या का सामना करने लगती हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए यूज किए जाने वाले कई हेयर केयर प्रोडक्ट्स की वजह से बालों में अन्य प्रॉब्लम्स जैसे-डेंड्रफ, रूखे-कमजोर बाल, बालों का झड़ना, शुरू हो सकती हैं। इन सभी प्रॉब्लम्स से बचने के लिए आप नीबू का अलग-अलग तरह से यूज कर सकती हैं।

नीबू का रस-कैस्टर ऑयलः बाउल में एक चम्मच कैस्टर ऑयल (अरंडी का तेल) में तीन से चार बूंदें नीबू का रस मिलाकर उसे हल्का गुनगुना कर लें। इस मिश्रण से स्कैल्प पर अच्छे से मसाज करें फिर इसे आधे घंटे तक छोड़ दें। इसके बाद माइल्ड शैंपू से धो लें। इस मिश्रण को हफ्ते में दो-तीन बार लगाने से बेहतर परिणाम मिलेगा।

नीबू रस-नारियल तेलः किसी बाउल में एक बड़ा चम्मच नीबू का रस लें, उसमें एक बड़ा चम्मच नारियल का तेल मिलाएं। इस मिश्रण को स्कैल्प में अच्छे से लगाएं। फिर हल्के हाथों से मसाज करें। फिर आधे घंटे बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। जरूरत पड़ने पर कंडीशनर लगाएं। आप हफ्ते में सिर्फ एक बार ही इसे अप्लाई करें। इससे असमय बाल सफेद होना रुकेगा।

नीबू रस-मेथी हेयर पैकः अगर आप डेंड्रफ की समस्या से जूझ रही हैं तो नीबू के रस में मेथी दानों का पेस्ट बनाकर हेयर पैक बना लें। इस हेयर पैक को स्कैल्प पर लगा कर कुछ मिनटों के लिए छोड़ दें। बाद में ताजे पानी से धो डालें। इससे बालों को पोषण मिलेगा और डेंड्रफ से भी छुटकारा मिलेगा।

नीबू का शैंपूः नीबू का शैंपू बनाने के लिए मेहंदी पावडर में एक अंडा मिलाएं। उसमें एक कप गर्म पानी, आधा नीबू का रस मिलाएं। जब गाढ़ा पेस्ट बन जाए तो अपनी हथेली में इस शैंपू की कुछ बूंदें लेकर गीले बालों पर धीरे से मालिश करें। जब झाग बन जाए तो साफ पानी से धो डालें।

एवोकाडो-नीबू शैंपूः इसे बनाने के लिए एक एवोकाडो, 4 कप कैमोमाइल चाय, 1/4 कप ताजा नीबू का रस लें। एवोकाडो का गूदा, कैमोमाइल चाय, नीबू का रस अच्छी तरह ब्लेंड कर लें। इस मिश्रण को गीले बालों में लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। 15 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें।

डाइट एडवाइस
अंजू जैन

अच्छी सेहत बहुत हद तक पौष्टिक खान-पान की आदत और सही जीवनशैली पर निर्भर करती है। अगर हम खान-पान की सही आदतें और बेसिक रूल्स अपना लें, तो हेल्दी रह सकती है। कुछ यूजफुल डाइट रूल्स के बारे में जानिए।

फॉलो करें डाइट रूल्स आप रहेंगी हेल्दी

हम सभी भूख लगने पर स्वादिष्ट भोजन करना चाहते हैं। इससे पेट भरता है, मन को संतुष्टि मिलती है। लेकिन भोजन केवल स्वाद के लिए नहीं शारीरिक-मानसिक सेहत को ध्यान में रखकर करना चाहिए। इसके लिए भोजन करने के कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है।

वैरायटी शामिल करें: न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि भोजन में रंग-बिरंगी सब्जियां, हेल्दी ऑयल, मेवे, दूध, फल आदि शामिल करने चाहिए। जापान में डाइट हैबिट पर किए गए शोध के नतीजे बताते हैं कि भोजन में वैरायटीज शामिल करने से आपको तरह-तरह के विटामिन और न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। आपको अपनी डेली डाइट में मौसमी सब्जियों और फलों को जरूर शामिल करना चाहिए। अगर आप नॉनवेज खाती हैं तो इसे सीमित मात्रा में ही खाएं। वेज फूड्स को प्रेफरेंस दें।

ओवर ईटिंग से बचें: अच्छी हेल्थ के लिए ओवर ईटिंग से बचना जरूरी है। जो भी खाएं, भूख से 10-15 फीसदी कम मात्रा में खाएं। स्वाद के कारण या दूसरों के दबाव में अगर आपने दिन में एक टाइम अधिक भोजन कर लिया है तो अगला भोजन हल्का लें। कहने का अर्थ है कि अगर आपने किसी पार्टी में लंच अधिक कर लिया है या मीठा और ऑयली फूड अधिक खा लिया है तो डिनर में कम भोजन लें। अगर आप केवल सलाद खाएं तो यह सबसे बेहतर रहेगा। अगर आपने डिनर में हैवी खाना खाया है तो अगली सुबह जूस या सलाद लेना सही रहेगा।

रुचि लेकर करें भोजनः कई लोग भोजन करते वक्त फोन पर बातें करते हैं, व्हाट्सएप या फेसबुक चलाते हैं, न्यूज पेपर, मैगजीन पढ़ते हैं या फिर टीवी देखते हैं। कुछ लोग बहुत हड़बड़ी में भोजन करते हैं और इसे एक काम समझ कर निपटा देते हैं। इसी प्रकार कुछ लोग भोजन को सिर्फ पेट भरने का जरिया मानकर कुछ भी खा या पी लेते हैं या फिर बाजार से मंगवा कर जंक फूड खा लेते हैं। ऐसी सभी आदतें सेहत के लिए सही नहीं होती हैं। भोजन को रुचि के साथ पकाना और खाना चाहिए। तरह-तरह के स्वाद वाला पौष्टिक भोजन करना स्वास्थ्यवर्धक होता है। भोजन बनाने में अच्छी क्वालिटी वाली ताजी सब्जियां, मसाले, आटा, चावल आदि का इस्तेमाल करें। भोजन रुचिकर होने के साथ हाइजीनिक भी होना चाहिए। इसी प्रकार भोजन करते वक्त हर कौर का आनंद लें, चबाकर, पूरा स्वाद लेते हुए धैर्यपूर्वक भोजन करें ताकि उसका सही ढंग से पाचन हो और भोजन तन को लगे।

स्वाद को न दें अधिक महत्वः तेज मसालों और ज्यादा तेल में फ्राई किया हुआ चटपटा भोजन देखने और खाने में भले ही स्वादिष्ट और सुंदर लगता हो लेकिन यह सेहत के लिए काफी नुकसानदायक होता है। हर रोज रेस्तरां में जाकर या डिब्बाबंद भोजन खाने की आदत न डालें बल्कि हल्का और आसानी से डाइजेस्ट होने वाला भोजन करें। दिखने में आकर्षक भोजन की बजाए सेहत के लिए फायदेमंद भोजन को इंपॉर्टेंस दें।

स्प्राउटेड-फर्मेंटेड फूड लेंः दही, ढोकला, इडली जैसे फर्मेंटेड फूड पेट की सेहत और पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें पोषक तत्व भी होते हैं। इसी प्रकार अंकुरित अनाज फाइबर, विटामिन और मिनरल्स के अच्छे सोर्स होते हैं। इनका नियमित सेवन बेहद जरूरी है।

(डायटिशियन संगीता मिश्रा से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

हिसार। कांस्य पदक विजेता गुरु दक्ष राजकीय बहुतकनीकी की टीम।

गुरु दक्ष बहुतकनीकी की टीम को कांस्य पदक

हिसार। राजकीय महिला बहुतकनीकी सिरसा में आयोजित अंतर-बहुतकनीकी महिला हैंडबॉल टूर्नामेंट में गुरु दक्ष राजकीय बहुतकनीकी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में मेजबान टीम सिरसा ने प्रथम स्थान और अंबाला की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि हिसार की टीम ने तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। कांस्य पदक का मुकाबला खानपुर की टीम के साथ खेला गया, जिसमें हिसार की टीम ने 2-1 से जीत दर्ज की और अपनी कड़ी मेहनत और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. सुनील कुमार ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

जीवन के विविध रंगों और ध्यान का महत्व समझा

हिसार। सिरसा रोड पर स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र के दौरान जीवन के विविध रंगों पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही ध्यान को भी अपनाने पर बल दिया गया। ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने हिस्सा लिया और पूरे उत्साह के साथ ध्यान का अभ्यास किया। इस अवसर पर स्वामी संजय ने बताया कि आशा-निराशा, खुशी-गम व लाभ-हानि जीवन के अभिन्न अंग हैं लेकिन इन सबके बीच जीवन को आनंदमय, उल्लासमय व खुशहाल बनाना हमारा दायित्व है।

वैवाहिक परिचय सम्मेलन 23 को करनाल में

हिसार। अग्रवाल समाज का 25वां राज्य स्तरीय वैवाहिक परिचय सम्मेलन अग्रवाल युवा संगठन द्वारा सेक्टर 8 में अग्रवाल भवन, करनाल में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में हरियाणा व आस-पास के राज्यों से सैकड़ों की तादाद में विवाह योग्य प्रत्याशी भाग लेंगे और अपने जीवन साथी का चयन करेंगे। विपिन गोयल छानीवाला ने कहा कि सम्मेलन न केवल रिश्तों के लिए एक उपयुक्त मंच है बल्कि समाज में कई सकारात्मक प्रभाव भी लाता है।

कृषि उद्यमिता को अपनाकर आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकते हैं किसान : प्रो. काम्बोज

एचएयू में कृषि मेला शुरू, किसानों ने उन्नत किस्मों के 31 लाख से अधिक के बीज खरीदे

- विवि में दो दिन चलेगा मेला किसानों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। प्रो. बीआर काम्बोज सोमवार को एचएयू में शुरू हुए दो दिवसीय कृषि मेला के शुभारंभ अवसर पर संबोधन दे रहे थे। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बेकरी में हकृवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उन्नत खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। हकृवि के एबिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है।

हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हिसार। प्रगतिशील किसानों के साथ कुलपति बीआर काम्बोज।

स्टाल बनी आकर्षण का केन्द्र

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

कृषि साहित्य की खूब हुई बिक्री

मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रूपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रूपए के टिशु कल्चर के पौधे बिके। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 200 नमूनों की जांच करवाई। मेले में लगभग 10 हजार रूपए के जैव उर्वरक की बिक्री हुई।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया।

विकसित भारत पर चर्चा होगी

गुजवि में राष्ट्रीय सम्मेलन आज कुलपति होंगे मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के सौजन्य से 18 मार्च को 'रिसोर्सिज, टेक्नोलॉजी एंड क्लाइमेट : ऐ जियो-सस्टेनेबल विजन फॉर विकसित भारत @2047' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में होने वाले इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई मुख्यातिथि होंगे। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के भूगोल विभाग के प्रो. गौरव कालोत्रा सम्मेलन के मुख्य वक्ता जबकि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र के भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. एसपी कौशिक विशिष्ट अतिथि होंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता संयोजक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई करेंगे। प्रो. राम सिंह बैनीवाल सम्मेलन के सह-संयोजक हैं। सम्मेलन के सचिव डा. विनोद कुमार व अरविंद कुमार हैं।

गुजवि कर्मचारियों व विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं फिटनेस के लिए कैंप 20 को

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं फिटनेस के लिए 20 मार्च को मल्टीस्पेशलिटी चैकअप कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप में सरकार के पेनल के सुखदा मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल विशेषज्ञ डॉक्टर सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक स्वास्थ्य जांच करेंगे। विश्वविद्यालय की वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. सरीना हसीजा ने बताया कि इस कैंप में स्पेशलिस्ट डॉक्टर की सेवाएं उपलब्ध होंगी। कैंप में मेडिसिन के डा. हेमंत दहिया, सर्जरी के डा. दीपम दास, जिनेकॉलोजी एंड ऑबस्टेट्रिक्स की डा. निधि मेहता, ऑर्थोपेडिक्स के डा. पंकज शर्मा व ईएनटी की डा. दीप्ती सिंह की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अतिरिक्त शिविर के दौरान सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कार्डियोलॉजी के डॉ. अंकुर कामरा की सेवाएं भी उपलब्ध होंगी।

अनुभवी शिक्षाविद होने से छात्रों को मिलेगा लाभ

डॉ. वंदना गुप्ता ने संभाला प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभागाध्यक्ष का पदभार

- कुलपति व अन्य अधिकारियों ने दी डॉ. गुप्ता को बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

डॉ. वंदना गुप्ता को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग की चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। डॉ. वंदना गुप्ता ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने अपनी नियुक्ति के लिए कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका वे निष्ठा व लगन से निवर्हन करेंगी।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने डॉ. वंदना गुप्ता को शुभकामनाएं दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डा. वंदना के नेतृत्व में विभाग और अधिक तेजी से आगे बढ़ेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विजय कुमार और इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. संदीप आर्य ने भी डा. वंदना को शुभकामनाएं दी। डॉ. वंदना इस क्षेत्र में एक अनुभवी शिक्षाविद और शोधकर्ता हैं। उन्होंने प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के विभिन्न पहलुओं पर कई महत्वपूर्ण शोध किए हैं और नवीनतम तकनीकों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डा. वंदना गुप्ता पूरे उत्तर भारत में प्रिंटिंग में पीएचडी करने वाली पहली महिला शिक्षिका हैं। उनके शोध कार्यों और शिक्षण विधियों को व्यापक सराहना मिली है।

हिसार। डॉ. वंदना गुप्ता को विभागाध्यक्ष पद ग्रहण करने पर शुभकामनाएं देते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

अधिकारियों ने सर्वे टीमों को दिए आवश्यक निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे और जर्जर मकानों का नया सर्वे 31 मार्च तक चलेगा। इसके लिए सर्वे टीमों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

डीआरडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरबीर सिंह ने सोमवार को बताया कि इस सर्वे का उद्देश्य पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वर्ष 2025-26 से वर्ष 2028-29 तक पक्का मकान उपलब्ध कराना है। डीआरडीए सीईओ हरबीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार इस योजना का लाभ अधिकतम पात्र परिवारों तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2018 में किए गए सर्वे में जो परिवार छूट गए थे या अपात्र रह गए थे, उन्हें भी इस बार शामिल किया जाएगा। सर्वेक्षण कार्य के लिए सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवों को सर्वेयर नियुक्त किया गया है।

साथ ही, जरूरतमंद परिवार ऑनलाइन माध्यम से अपना घर सर्वे कराकर आवास प्लस 2.0 ऐप 2024 पर अपलोड कर सकते हैं। इस योजना में तिपहिया या चौपहिया वाहन का स्वामित्व, कृषि उपकरणों का स्वामित्व, 50 हजार रुपये या अधिक की लिमिट वाला किसान क्रेडिट कार्ड, परिवार का कोई सदस्य सरकारी नौकरी में होना, पंजीकृत गैर-कृषि व्यवसाय का स्वामित्व 15 हजार रुपये या अधिक मासिक आय, व्यावसायिक कर का भुगतान, आयकरदाता का दर्जा होना, 2.5 एकड़ या उससे अधिक सिंचित भूमि का स्वामित्व, 5 एकड़ से अधिक असिंचित भूमि का स्वामित्व होने की स्थिति में परिवार अपात्र माने जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए क्षेत्र के संबंधित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता हैं।जिला समन्वयक बलवान सिंह गेदर ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को 1 लाख 38 हजार रुपये की अनुदान राशि तीन किस्तों में प्रदान की जाती है। पहली किस्त में 45 हजार रुपये दूसरी किस्त में 60 हजार रुपये तथा तीसरी किस्त में 33 हजार रुपये मिलता है। इसके अतिरिक्त लाभार्थी को 90 दिन की अकुशल मनरेगा मजदूरी का भी लाभ दिया जाता है।

ग्रामीण क्षेत्र में कच्चे और जर्जर मकानों का नए सिरे से सर्वे करवाया जाएगा

हिसार। सर्वेक्षण कार्य के लिए आयोजित बैठक में निर्देश देते अधिकारी।

जांगिड़ महासभा ने लिए कई अहम फैसले

हिसार। आम सभा का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि व प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगड़ा व सदस्य।

हिसार। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, नई दिल्ली की प्रदेश स्तरीय त्रैमासिक आम सभा का आयोजन अग्रसेन भवन में हुआ। सभा की अध्यक्षता जिला जांगिड़ सभा के प्रधान उदय सिंह जांगड़ा ने की। सभा के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगड़ा और कार्यकारिणी ने बैठक में शिरकत की। सभा में विश्वकर्मा जयंती वर्ष में एक बार प्रदेश स्तर पर मनाने पर विचार हुआ। प्रदेश की सामाजिक संस्थाओं को छात्रावास व सामाजिक कल्याणकारी कार्यों के लिए सरकारी भूमि 30 प्रतिशत के हिसाब से दिलवाई जाए। दसवीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त बीपीएल धारक छात्रों को अलग से आर्थिक सहायता प्रदान करने बारे विचार विमर्श किया गया।

भगवान के चरणों में समय लगाना चाहिए : राजेश्वरानंद

हिसार। कैमरी रोड स्थित ज्ञानदीप सेवार्थ आश्रम में श्री श्री 1008 ब्रह्मलीन श्री ओमानंद जी महाराज के जन्मोत्सव पर चल रहे धार्मिक आयोजन का आज विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। इस मौके पर समाजसेवी हरीश वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। इस अवसर पर आश्रम के गद्दीनशीन महंत राजेश्वरा नंद महाराज ने आश्रम में चल रहे धार्मिक कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच कहा कि मालिक ने इस सृष्टि की रचना की और संसार के सब जीवों की रक्षा स्वंय करते हैं और सब पर अपनी कृपा बरसाते हैं और हम जीव उस परमपिता परमात्मा को ही भूले बैठे हैं। सारे दिन में कुछ समय हमें मालिक के चरणों में लगाना चाहिए जिससे हमारा कल्याण हो। भजन सत्संग से पूर्व महंत राजेश्वरानंद महाराज के सानिध्य में सर्वमंगल कामना के लिए हवन-यज्ञ किया गया।इस मौके पर समाजसेवी हरीश वर्मा ने कहा कि हमें सदैव जीवों की व जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए जिससे भगवान हमसे प्रसन्न होते हैं।और अपने बनाए जीवों से स्नेह करने वालों की मालिक हर मुश्किल में स्वयं रक्षा करते हैं। गुरु की आरती के बाद भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

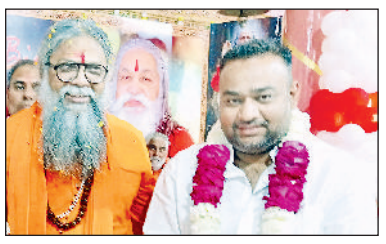

हिसार। मुख्य अतिथि समाजसेवी हरीश वर्मा को स्मृति चिंह भेंट करते महंत राजेश्वरानंद महाराज।

बिश्नोई सभा कार्यकारिणी चलाएगी अभियान

हिसार। बैठक में चर्चा करते बिश्नोई सभा के पदाधिकारी व सदस्य।

हिसार। बिश्नोई सभा की नवनियुक्त कार्यकारिणी की बैठक बिश्नोई मंदिर के प्रांगण में आयोजित की गई। बिश्नोई सभा के नव नियुक्त प्रधान ज ग दी श चं द्र कड़वासरा ने पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया गया। बैठक में बिश्नोई सभा की नई कार्यकारिणी ने विश्वास दिलाया कि समाज हित के नए कार्य, समाज के पारस्परिक मूल्यों एवं सिद्धांतों को पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाएगी। प्रधान कड़वासरा ने कहा कि समाज में एकता एवं भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करना, शिक्षा, स्वास्थ्य, वृक्षारोपण तथा वन्य जीव संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय रूप से काम करेगी एवं साथ ही युवाओं को नशा न करने के लिए प्रेरित करने का कार्य करेगी।

धर्म-कर्म

कलश यात्रा के साथ भारत माता मंदिर में सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा शुरू

हिसार। भारत माता मंदिर की कलश यात्रा में हिस्सा लेते श्रद्धालुगण।

हिसार। समाजसेवी स्व. चौ. फतेहचंद, स्व. माता हरबंस कौर एवं स्व. विजय शर्मा की स्मृति में आयोजित भारत माता मंदिर की सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा के लिए भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। मातृशक्ति ने लाल वस्त्र धारण करके एवं आम के पत्तों व नारियल से सुसज्जित कलश सिर पर धारण करके एम सी कॉलोनी, डी सी कॉलोनी व अर्बन एस्टेट-दो सहित आसपास के क्षेत्र में कलश शोभा यात्रा में हिस्सा लिया। कलश यात्रा का मार्गदर्शन वृंदावन के प्रसिद्ध कथा व्यास आचार्य पंडित कृष्ण शरण शास्त्री जी महाराज ने किया। इस कलश यात्रा व श्रीमदभागवत कथा में आसपास के क्षेत्रों से काफी संख्या में भक्तजनों ने हिस्सा लिया। कलश यात्रा के दौरान भक्तों का उत्साह देखने लायक रहा। विभिन्न कॉलोनियों से होते हुए कलश यात्रा वापस भारत माता मंदिर पहुंची। इस दौरान पूरा मंदिर जय श्रीराम, जय श्रीकृष्ण व भारत माता की जय के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। मंच पर सभी कलश स्थापित करने के उपरांत आचार्य पंडित कृष्ण शरण शास्त्री जी ने पूरे विधि-विधान से श्रीमदभागवत कथा की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि श्रीमदभागवत कथा श्रवण करना कल्याणकारी है। उन्होंने कहा कि श्रीमदभागवत कथा को सुनकर उसकी शिक्षाओं को आत्मसात करना चाहिए। कलश यात्रा में एम सी कॉलोनी के भारत माता मंदिर के संरक्षक अनिल महत्ता, अध्यक्ष प्यारेलाल लाहौरिया, वनवासी कल्याण आश्रम के प्रदेशाध्यक्ष रामबाबू सिंगल, रामनिवास अग्रवाल सीए, जितेंद्र सोनी, अमर गोयल, एडवोकेट राजेश जैन, मांगेराम गुप्ता, नरेश बंसल, विवेक पाठक, मनोरमा गुप्ता, सुनीता मौजूद रहे।

यातायात मानहेरू एवं भिवानी जंक्शन स्टेशनों के मध्य ट्रेफिक ब्लॉक के कारण रेल यातायात प्रभावित

कई ट्रेन रद की गई, कई गाड़ियों का रूट बदला, यात्री परेशान

- रेवाड़ी, जयपुर व दिल्ली के लिए आवागमन में हो रही दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

बीकानेर मंडल पर रेवाडी-हिसार रेलखंड के मानहेरू एवं भिवानी जंक्शन स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। दोहरीकरण और नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इसके चलते करीब एक पखवाड़े से अधिक समय तक कई रेलसेवाएं रद तथा कई गाड़ियों आंशिक रूप से रद रहेगी। इसके अलावा कई गाड़ियों को रूट भी बदला गया है। इस दौरान खासकर रेवाड़ी, जयपुर तथा दिल्ली की ओर आवागमन करने वाली गाड़ियों प्रभावित रहेगी। ऐसे में रेलयात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ेगी।

-गाड़ी संख्या 14029, श्रीगंगानगर-दिल्ली रेलसेवा जो 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) श्रीगंगानगर से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग हिसार-भिवानी बाइपास-रोहतक-रेवाड़ी होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा भिवानी सिटी, रोहतक व झज्जर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

-गाड़ी संख्या 14030, मेरठ कैंट-श्रीगंगानगर रेलसेवा जो दिनांक 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) मेरठ कैंट से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रेवाडी-रोहतक-भिवानी बाईपास-हिसार होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा झज्जर, रोहतक व भिवानी सिटी स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

-गाड़ी संख्या 19415, अहमदाबाद-श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा रेलसेवा जो 27 अप्रैल व 4 मई को (02 ट्रिप) अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-रोहतक-भिवानी बाइपास-हिसार होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा भिवानी सिटी स्टेशन पर ठहराव करेगी।

-गाड़ी संख्या 12555, गोरखपुर-बठिंडा रेलसेवा जो 21 अप्रैल से 10 मई तक (20 ट्रिप) गोरखपुर से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रोहतक-भिवानी बाइपास-हिसार होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा भिवानी सिटी स्टेशन पर ठहराव करेगी।

-गाड़ी संख्या 12556, बठिण्डा-गोरखपुर रेलसेवा जो 22 अप्रैल से 11 मई तक (20 ट्रिप) बठिण्डा से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग हिसार-भिवानी बाइपास-रोहतक होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा भिवानी सिटी स्टेशन पर ठहराव करेगी।

-गाड़ी संख्या 14717, बीकानेर-हरिद्वार रेलसेवा जो 21 अप्रैल, 23, 25, 28, 30 अप्रैल, 2 मई, 5, 7 व 9 मई को (9 ट्रिप) बीकानेर से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग हिसार-भिवानी बाइपास-रोहतक होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा भिवानी सिटी स्टेशन पर ठहराव करेगी।

- गाड़ी संख्या 14718, हरिद्वार-बीकानेर रेलसेवा जो 22 अप्रैल, 24, 26, 29 अप्रैल, 1 मई, 3, 6, 8 व 10 मई को (9 ट्रिप) हरिद्वार से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रोहतक- भिवानी बाइपास-हिसार होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा भिवानी सिटी स्टेशन पर ठहराव करेगी।

रद रेल सेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से)

1. गाड़ी संख्या 54787, भिवानी-रेवाड़ी रेलसेवा 22 अप्रैल से 11 मई तक (20 ट्रिप) रद रहेगी।
2. गाड़ी संख्या 54788, रेवाड़ी-भिवानी रेलसेवा 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) रद रहेगी।
3. गाड़ी संख्या 14715, हिसार-जयपुर रेलसेवा 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) रद रहेगी।
4. गाड़ी संख्या 59632, हिसार-रेवाड़ी रेलसेवा 21 अप्रैल से 10 मई तक (20 ट्रिप) रद रहेगी।
5. गाड़ी संख्या 59631, रेवाड़ी-हिसार रेलसेवा 22 अप्रैल से 11 मई तक (20 ट्रिप) रद रहेगी।
6. गाड़ी संख्या 14705, भिवानी-ढेहर का बालाजी रेलसेवा 28 अप्रैल से 8 मई तक (11 ट्रिप) रद रहेगी।
7. गाड़ी संख्या 14706, ढेहर का बालाजी- भिवानी रेलसेवा 28 अप्रैल से 8 मई तक (11 ट्रिप) रद रहेगी।

आंशिक रद रेल सेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से)

1. गाड़ी संख्या 09733, जयपुर-भिवानी रेलसेवा जो 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) जयपुर से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा भिवानी तक ही संचालित होगी अर्थात यह रेलसेवा रेवाड़ी-भिवानी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद रहेगी।
2. गाड़ी संख्या 09734, भिवानी-जयपुर रेलसेवा जो 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) भिवानी के स्थान पर रेवाड़ी से संचालित होगी अर्थात यह रेलसेवा भिवानी-रेवाड़ी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
3. गाड़ी संख्या 14730, फाजिल्का-रेवाड़ी रेलसेवा जो 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) फाजिल्का से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा भिवानी तक ही संचालित होगी अर्थात यह रेलसेवा रेवाड़ी-भिवानी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद रहेगी।
4. गाड़ी संख्या 54782, रेवाडी-बठिंडा रेलसेवा जो 22 अप्रैल से 11 मई तक (20 ट्रिप) रेवाड़ी के स्थान पर भिवानी से संचालित होगी अर्थात यह रेलसेवा रेवाड़ी-भिवानी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद रहेगी।
5. गाड़ी संख्या 54634, लुधियाना-भिवानी रेलसेवा जो 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) लुधियाना से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा हिसार तक ही संचालित होगी अर्थात यह रेलसेवा हिसार-भिवानी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद रहेगी।
6. गाड़ी संख्या 54631, भिवानी-लुधियाना रेलसेवा जो 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) भिवानी के स्थान पर हिसार से संचालित होगी अर्थात यह रेलसेवा भिवानी-हिसार स्टेशनों के मध्य आंशिक रद रहेगी।
7. गाड़ी संख्या 14734, जयपुर-बठिंडा रेलसेवा जो 22 अप्रैल से 7 मई तक (16 ट्रिप) जयपुर के स्थान पर हिसार से संचालित होगी अर्थात यह रेलसेवा जयपुर-हिसार स्टेशनों के मध्य आंशिक रद रहेगी।

खबर संक्षेप

दिव्यांगजनों से यातायात शुल्क वसूलना अन्याय

सिरसा। विकलांग संघ उमंग के प्रदेशाध्यक्ष बंसीलाल झोरड़ ने दिव्यांगजन द्वारा खरीदे गए वाहन का अडेप्टेड श्रेणी के तहत पंजीकरण करवाते समय यातायात विभाग द्वारा 12 प्रतिशत यातायात शुल्क वसूलने को दिव्यांगजन का शोषण करार दिया है। झोरड़ ने बताया कि सामान्य रूप से मोटर कार पंजीकरण करवाते समय वाहन की कुल लागत के अनुपात में 6 प्रतिशत या 8 प्रतिशत या 10 प्रतिशत यातायात शुल्क लिया जाता है, वहीं दूसरी ओर जब दिव्यांगजन 6 प्रतिशत यातायात कर वाले वाहन को भी अडेप्टेड श्रेणी के तहत पंजीकरण कराने का अनुरोध करते हैं तो ऑनलाइन पंजीकरण करते समय यातायात विभाग द्वारा 12 प्रतिशत की दर से यातायात शुल्क की गणना करने के पश्चात दिव्यांगजन को रियायत देने का प्रावधान किया हुआ है, जिसके चलते दिव्यांगजन को रियायत के

शहीदी दिवस पर रक्तदान शिविर का किया आयोजन

भूना। भारत विकास परिषद भूना 23 मार्च को शहीदी दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित करेगा। मुख्य अतिथि वेद फूला, चेयरमैन हरको फेडरेशन शिरकत करेंगे। शिविर सुबह 9 बजे से अग्रवाल सेवा सदन, हिसार रोड भूना पर लगेगा। अग्रोहा मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक की विशेष टीम मौजूद रहेगी। यह टीम रक्तदान की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराएगी। शाखा अध्यक्ष डॉ. दीपक बंसल ने अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा, रक्तदान महादान है, जो जरूरतमंदों की जान बचाने में सहायक होता है। डॉ. बंसल ने बताया, रक्तदाताओं के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जिससे वे सुरक्षित और सहज माहौल में रक्तदान कर सकें।

राजकीय कॉलेज में विशेष शिविर आरंभ

भट्टूकलां। राजकीय महाविद्यालय भट्टूकलां में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आज शुभारंभ हुआ। कैंप के पहले दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुभाष सिहाग ने बताया कि एनएसएस से विद्यार्थियों में सेवाभाव का विकास होता है जिससे छात्र समाज के सच्चे नागरिक बनते हैं। एनएसएस प्रभारी महिला इकाई विजयवीर गोदारा व एनएसएस प्रभारी पुरुष इकाई अमित कुमार ने विद्यार्थियों को एनएसएस का परिचय देते हुए स्वयंसेवकों की समाज में भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

कलेक्टर रेट पर 24 तक दर्ज करवा सकेंगे आपत्ति

सिरसा। जिला सिरसा की सभी तहसीलों व उप तहसीलों के वर्ष 2025-26 के प्रस्तावित कलेक्टर रेट जिला प्रशासन की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटसिरसाडॉटजीओवीडॉटइन पर अपलोड कर दिए गए हैं। प्रस्तावित कलेक्टर रेट के संबंध में यदि किसी नागरिक को कोई आपत्ति है तो वह 24 मार्च तक सम्बंधित तहसीलदार या एसडीएम कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। निर्धारित समय के बाद आपत्ति पर कोई विचार नही किया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष पद के लिए जिले में कुल 40 नेताओं ने किया था आवेदन

प्रवीण जोड़ा भाजपा के फतेहाबाद जिलाध्यक्ष बने बराला और संघ की पहली पसंद का मिला फायदा

4 दशक से ज्यादा पुराने कार्यकर्ता के तौर पर जाने जाते है प्रवीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भाजपा के पुराने कार्यकर्ता प्रवीण जोड़ा एडवोकेट को सोमवार को भाजपा का फतेहाबाद जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया गया। प्रवीण जोड़ा भाजपा के 4 दशक से ज्यादा पुराने कार्यकर्ता के तौर पर जाने जाते हैं। वह राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के खास हैं और संघ की भी पहल पसंद के रूप में जाने जाते हैं। भाजपा अध्यक्ष पद के लिए जिले में कुल 40 नेताओं ने आवेदन किया था। इसके बाद अंतिम दौड़ में प्रवीण जोड़ा एडवोकेट, वेद फुलां और राजपाल बेनीवाल बच गए थे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तीनों में से किसी को भी जिलाध्यक्ष बनाने पर सहमत था। वेद फुलां पहले अध्यक्ष रह चुके हैं और फिलहाल हरकोफेड के चेयरमैन भी हैं, ऐसे में राजपाल बैनीवाल और प्रवीण जोड़ा में से एक पर सहमति होनी थी। अंतिम क्षणों ने सभी ने प्रवीण जोड़ा के नाम पर अपनी सहमति प्रदान की। इससे पूर्व जिला प्रधान के लिए रविवार को सांसद सुभाष बराला व पूर्व विधायक दुड़ाराम के बीच बैठक हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने प्रवीण जोड़ा के नाम पर अपनी स्वीकृति प्रदान की। बता तो यह भी रहे हैं कि दुड़ाराम नगरपरिषद उपप्रधान सविता टुटेजा के लिए काफी हाथ-पैर मार रहे थे। जिला चुनाव प्रभारी आशा खेदड़ ने सभी से राय-मशवरा लेकर प्रवीण जोड़ा के नाम जिलाध्यक्ष पद के लिए घोषित कर दिया। उनके चयन में रोचक यह है कि वह जिला व मंडल अध्यक्षों के चुनाव में सहचुनाव प्रभारी थे। पार्टी ने चुनाव प्रभारी को ही जिला अध्यक्ष चुन लिया। रविवार शाम तक वह जिला अध्यक्ष पद के लिए नामांकन ले रहे थे और शाम को पार्टी मुख्यालय से उन्हे फोन आया और उन्हे बताया गया कि पार्टी ने उन्हे ही प्रधान पद का दायित्व सौंप दिया है। पदभार ग्रहण करने बाद प्रवीण जोड़ा संघ कार्यालय पहुंचे और संघ पदाधिकारियों से आशीर्वाद लिया। खास बात है कि रविवार को जब पार्टी के आदेश आए कि जिलाध्यक्ष बनने के इच्छुक नामांकन भरो, तभी से ही राजनीति में उत्सुकता चरम पर थी। सोमवार सुबह भाजपा जिला प्रधान बलदेव ग्रोहा की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय में हुई बैठक में बलदेव ग्रोहा ने हंसते हंसते संबोधन किया और अपने कार्यकाल में सहयोग देने वालों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जब तक नए प्रधान की घोषणा नहीं होती तब तक किसी को कोई काम हो तो मेरे से करवा ले। इस उपरांत जिला चुनाव प्रभारी आशा खेदड़ ने अपने संबोधन में पूरा सस्पेंस बनाया और अंत में प्रवीन जोड़ा के नाम की घोषणा की। बलदेव ग्रोहा ने प्रवीन जोड़ा को माला पहनाकर पदभार ग्रहण करवाया। कार्यकर्ताओं ने जोश में प्रवीण जोड़ा के समर्थन में नारेबाजी की।

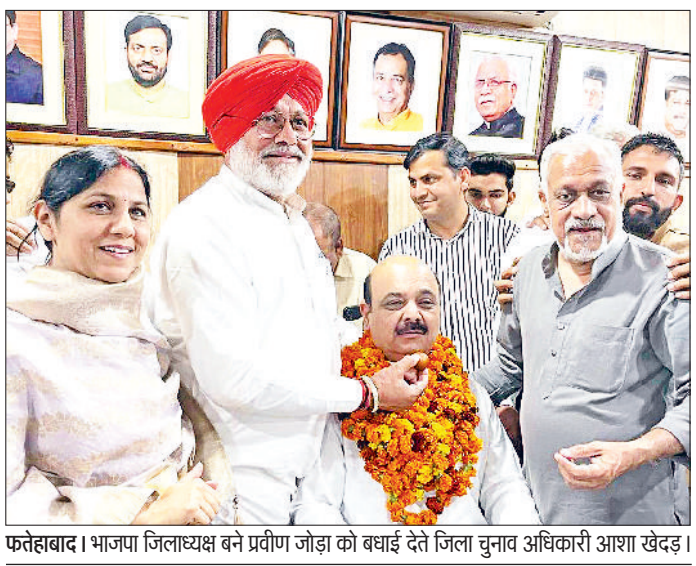

फतेहाबाद। भाजपा जिलाध्यक्ष बने प्रवीण जोड़ा को बधाई देते जिला चुनाव अधिकारी आशा खेदड़।

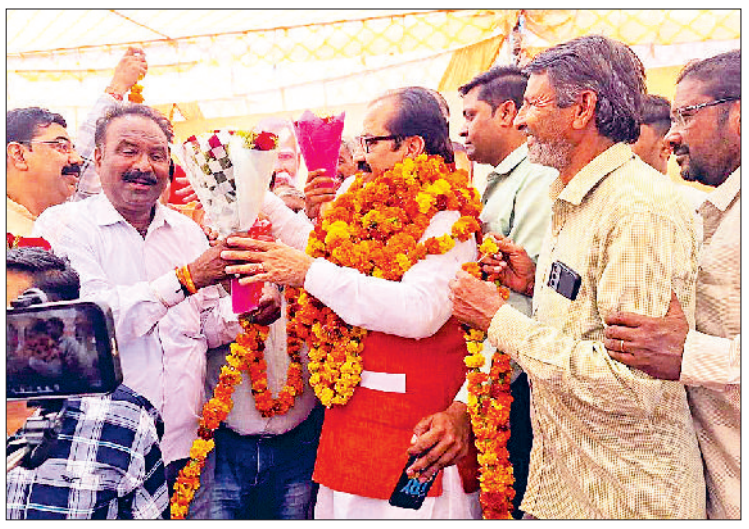

सिरसा। यतिंद्र सिंह के जिलाध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यकर्ता उनको बधाई देते हुए।

प्रवीन नहीं प्रवीण बोला करो : सुषमा स्वराज

भाजपा जिलाध्यक्ष बने प्रवीण जोड़ा ने बताया कि पहले वो अपना नाम प्रवीन जोड़ा लिखते थे। वर्ष 1998 की बात है सुषमा स्वराज फतेहाबाद से होकर सिरसा रैली को संबोधित करने जा रही थी। उस दौरान उनका व भाजपा के तत्कालीन नेता आजाद सचदेवा का ऑफिस सिरसा रोड पर होता था। उन्होंने फतेहाबाद में सुषमा स्वराज का अभिनंदन किया था। उस दौरान प्रवीण जोड़ा ने सुषमा स्वराज को अपना नाम प्रवीन बताया। तो सुषमा ने उसी समय कहा कि प्रवीन शब्द न बोलकर प्रवीण शब्द बोला करो। प्रवीण शब्द का शाब्दिक अर्थ होता है। ऐसे में आगे से अपना नाम प्रवीण बताने लगे। सुषमा ने बताया कि कि प्रवीण शब्द का शाब्दिक अर्थ कुशल होता है। जबकि प्रवीन शब्द का कोई अर्थ ही नहीं होता। प्रवीण जोड़ा ने बताया कि उन्होंने इससे बाद अपना नाम प्रवीण बताना व लिखना शुरू कर दिया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर पार्टी प्रभारी सुरेन्द्र आर्य, द्वारका प्रसाद, राजपाल बैनीवाल, अशोक जाखड़, महेश शर्मा, जगदीश शर्मा, नीलम मेहता, कवंल चोधरी, विजय गोयल, मनजीत गोस्वामी, हंसराज सचदेवा, अनिल सिहाग, भीम लाम्बा, रामचन्द्र रेल्हन, विकास शर्मा, संदीप तनेजा, नरेश तनेजा टीटू, शम्मी ढींगड़ा, राधेकृष्ण नारंग, सविता टुटेजा, सुमन बजाज, निलांशी शर्मा, पूनम सिंगला, पवन सिंह, जगदीप मोंगा, अवतार मोंगा सहित फतेहाबाद जिले के प्रदेश, जिला व मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिरसा : यतिंद्र सिंह एडवोकेट बने भाजपा जिलाध्यक्ष

सिरसा। भाजपा ने यतिंद्र सिंह एडवोकेट को सिरसा जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। भाजपा जिलाध्यक्ष बनने के उपलक्ष्य में सोमवार को भाजपा कार्यालय में उनका अभिनंद समारोह आयोजित किया गया, जिसमें पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष शीशपाल कंबोज सहित तमाम नेताओं व कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। इस मौके पर नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि पार्टी की ओर से जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी तरह निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास दिखाया है, उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास रहेगा। इससे पूर्व भी पार्टी ने जो जिम्मेदारियां दी है, उन्हें बखूबी तन-मन-धन से निभाया है। नगर परिषद चुनावों में जिस प्रकार सभी ने मिलकर लड़ाई लड़ी और शहरी सरकार भी भाजपा की बनाने में सफल रहे और 1996 के बाद दोबारा से कमल खिला है। उन्होंने पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करें। पूर्व जिलाध्यक्ष शीशपाल कंबोज ने कहा कि पार्टी हाईकमान की ओर से जो फैसला लिया गया है, वे पार्टी हित में है और सभी मिलकर पार्टी की मजबूती के लिए मिलकर काम करेंगे। इस मौके पर जगदीश चोपड़ा, विजयपाल एडवोकेट, वेद फुलां जिला प्रभारी सिरसा, पूर्व विधायक मक्खन लाल सिंगला, श्याम बजाज, प्रदीप रातुसरिया, रोहताश जांगड़ा, अमन चोपड़ा, मनीष सिंगला, वीर शांति स्वरूव नगर परिषद चेयरमैन, पूर्व जिलाध्यक्ष अमीर चंद मेहता, डॉ. गंगासागर केहरवाला, रतनलाल बामनियां सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा ने संगठन में डबवाली को जिला माना, लोगों की उम्मीद को बल मिला

डबवाली। भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठन में डबवाली को जिला मानते हुए यहां पार्टी के जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की है। संगठन कि इस पहली नियुक्ति में भाजपा ने एक महिला नेत्री को मौका दिया है और रेनू शर्मा के नाम पर डबवाली जिला अध्यक्ष पद के रूप में मोहर लगाई है। गौरतलब है कि इससे पहले भारतीय जनता पार्टी डबवाली में मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति करती आई है। लेकिन हरियाणा के गठन के बाद पहली बार ऐसा हुआ है की डबवाली में भी जिला अध्यक्ष बनाया गया है। वैसे डबवाली को प्रशासनिक तौर पर जिला बनाने की मांग वर्षों से की जा रही है। कुछ समय पहले डबवाली के पुलिस जिला बनने के बाद डबवाली को पूर्ण जिला बनाने की मांग ने और जोर पकड़ा। डबवाली के लोगों ने अपनी मांग के समर्थन में मंत्रियों से लेकर मुख्यमंत्री से भी गुहार लगाई। इस बाबत क्षेत्र के राजनीतिक दल भी लोगों की मांग के साथ खड़े दिखाई दिए। भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस पार्टी, इंडियन नेशनल लोकदल व जजपा सहित सभी राजनीतिक दलों ने इस का समर्थन किया। वैसे भी डबवाली से जिला मुख्यालय सिरसा की दूरी 60 किलोमीटर है। ऐसे में लोग परेशान होते हैं। डबवाली के लोगों को उम्मीद थी कि सरकार इस मामले में सकारात्मक रवैया अपनाएंगी और प्रदेश के जो नए जिले बनने हैं उसमें डबवाली का नाम भी शामिल होगा।

राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

कल्पना चावला के जीवन परिचय पर दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बप्पां में सोमवार को भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला की जयंती पर कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के प्रधानाचार्य और स्टाफ सदस्यों ने दीप प्रज्वलन कर कल्पना चावला को श्रद्धांजलि अर्पित कर की। इसके बाद कल्पना चावला के जीवन परिचय पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें उनके जन्म से लेकर उनकी शिक्षा, नासा में योगदान और 2003 में हुए दुखद अंतरिक्ष हादसे की जानकारी सांझा की गई। मुख्य वक्ता नरेश कुमार ग्रोवर ने कहा कि कल्पना चावला ने अपने संकल्प, मेहनत और लगन से यह सिद्ध किया कि कोई भी सपना असंभव नहीं है। हमें भी उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य को पाने के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण से प्रयास करना चाहिए।

सिरसा। विद्यार्थी विज्ञान में देश का नाम रोशन करने की शपथ लेते हुए।

बिजली बिल बकाया, उप तहसील भूना का कनेक्शन कटा, दोपहर बाद जोड़ा

भूना। बिजली का बिल न भरने पर विद्युत निगम ने तहसील कार्यालय का बिजली कनैक्शन काट दिया। कनैक्शन कट जाने के कारण तहसील का कामकाज ठप्प हो गया। जिससे ट्रेजरी, पटवारी और रजिस्ट्री का काम पूर्णतः बंद रहा।। भट्टूकला के मौजूद कार्यवाहक नायब तहसीलदार सोमेश विशिष्ठ को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने एसडीओ विद्युत निगम अमित कुमार से बातचीत की। एक सप्ताह में बिल भरने का आश्वासन दिया। जनहित को देखते हुए मीटर दोबारा लगाने का निवेदन किया। इसके बाद दोपहर बाद उप तहसील की बिजली सप्लाई बहाल कर दी गई।

18 लोगों ने रखी अपनी समस्याएं

समाधान शिविर में नगराधीश ने सुनीं लोगों की शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के लिए समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के निराकरण में परेशानी न हो, यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। यह निर्देश नगराधीश गौरव गुप्ता ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर के दौरान अधिकारियों को दिए। समाधान शिविर में कुल 18 शिकायतें प्राप्त हुई। समाधान शिविर में नागरिकों ने पानी, बिजली, सडक़, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, राजस्व, सामाजिक कल्याण योजनाओं आदि से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। नगराधीश ने मौके पर ही कई मामलों का निपटारा किया और शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फतेहाबाद। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते सीटीएम गौरव गुप्ता।

4 महीने की इंटर्नशिप पूरी कर वापस कॉलेज लौटे बीएड कॉलेज के विद्यार्थी

फतेहाबाद। मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन फतेहाबाद में बीएड सेकंड ईयर के विद्यार्थी आज अपनी 4 महीने की इंटर्नशिप पूरी करके वापस कॉलेज लौट आए। इन विद्यार्थियों का कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्या डॉ. जनक रानी व स्टाफ सदस्यों ने स्वागत किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी इंटर्नशिप के दौरान अपने अनुभवों को स्टाफ के साथ साझा किया। बता दें कि यह विद्यार्थी 25 नवंबर 2024 से 17 मार्च 2025 तक अपनी इंटर्नशिप पूरी करने के लिए जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में गए हुए थे। इंटर्नशिप बीएड सेकंड ईयर का एक बहुत ही महत्वपूर्ण एक अंग है, इसमें विद्यार्थी स्कूल में वास्तविक शिक्षण अनुभव प्राप्त करते हैं। इसी के साथ बीएड फस्ट ईयर के विद्यार्थियों का भी 22 दिवसीय शिक्षण अभ्यास भी समाप्त हो गया है। यह सभी विद्यार्थी अपना अभ्यास पूरा करके अब महाविद्यालय में आ चुके हैं। सभी विद्यार्थी अपना शिक्षण अभ्यास पूरा करके काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। प्राचार्या डॉ. जनक रानी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इंटर्नशिप और टीचिंग प्रैक्टिस में विद्यार्थियों को अध्यापन का वास्तविक अनुभव प्राप्त करवाया जाता है जिससे विद्यार्थी अपने अध्यापन कार्य में निपुण हो जाता है।

पवन भूथन प्रधान व शाहनवाज सचिव चुने

■ नौजवान सभा का जिला सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारत की जनवादी नौजवान सभा का जिला सम्मेलन शहीद उधम सिंह भवन फतेहाबाद में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता संदीप जांगडा और पंकज मानावली ने की वहीं संचालन शाहनवाज व विकास ने सयुक्त रूप से किया। सम्मेलन में 17 सदस्यों की कमेटी का चुनाव किया गया। इसमें पवन भूथन को प्रधान, शाहनवाज एडवोकेट को सचिव, संदीप जांगड़ा को कैशियर, सुनील बीघड़ व पंकज मानावाली को उपप्रधान, राहुल, गणपत, रेखा व विकास सहसचिव, प्रियंका, अमित, सचिन, राजू जांडवाला, सुभाष पिलिमंदोरी, सुरजीत, एडवोकेट निकिता पदम व सुनील को सचिव मण्डल सदस्य चुना गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्य सचिव नरेश दनोदा ने कहा कि आजादी के 78 साल बाद भी हमारे शहीदों के सपने अधूरे दिखाई देते हैं। देश व प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य रोजगार का भारी संकट है। हरियाणा में लगभग 21 हजार स्कूली शिक्षकों के पद खाली हैं। सैंकड़ों सरकारी स्कूल ऐसे है, जहां एक भी शिक्षक नहीं है।

फतेहाबाद। नौजवान सभा के जिला सम्मेलन को संबोधित करते वक्तागण।

जोड़ा के भाजपा जिलाध्यक्ष बनने पर भूना में सुनार समाज ने बांटे लड्डू

भूना। सुनार समाज के लोगों ने सोमवार को टोहाना रोड पर दुर्गा ज्वैलर्स शोरूम के बाहर लड्डू बांटकर खुशी जताई। भाजपा ने सिरसा और फतेहाबाद जिलों के लिए सुनार समाज के व्यक्ति को जिलाध्यक्ष बनाया है। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली का आभार व्यक्त किया। डॉ. सीताराम, वार्ड नंबर 9 के पार्षद सुशील कुमार, वार्ड नंबर 3 के पार्षद प्रतिनिधि बलजीत सोनी, नरेश कुमार ढाणी डूल्ट, धर्मपाल सोनी, राजबीर सोनी, अनिल सोनी, गोताखोर सुरेंद्र कुमार, रोहताश कुमार, कृष्ण कुमार, दर्शन सिंह, महेंद्र सिंह, ललित कुमार सोनी सहित कई लोगों ने कहा कि भाजपा ने सुनार समाज को जिलाध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद देकर आगे बढने का मौका दिया है। समाज के लोग पार्टी के शीर्ष नेताओं के आभारी हैं। सुनार सभा भूना के अध्यक्ष राजबीर ने कहा कि भाजपा ने सिरसा और फतेहाबाद जिले की जिम्मेदारी देकर पिछड़ा वर्ग समाज का मान बढ़ाया है।

सिरसा। कबड्डी टूर्नामेंट में विजेता रही टीम।

मल्लेकां टीम ने जीता ओपन कबड्डी कप

सिरसा। जिला के गांव झोरडरोही में संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती पर कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा व पंजाब से अनेक टीमों ने हिस्सा लिया। ओपन कबड्डी में मल्लेकां व रोड़ी की टीम के बीच हुए रोचक मुकाबले में रोड़ी को पराजित कर मल्लेकां टीम ने कबड्डी कप जीता। मल्लेकां टीम को कबड्डी कप सहित प्रथम इनाम 31000 रु तथा उपविजेता रही रोड़ी की टीम को ट्राफी सहित द्वितीय इनाम 21000 रु देकर सम्मानित किया गया। वही बेस्टों को सम्मानित किया गया। इसी तरह 45 किलो भार वर्ग में अमरजीत मोरीवाला टीम ने झोरडरोही टीम को पराजित किया। 56 किग्रा भार वर्ग में जगमालवाली ने कुसला टीम को पराजित किया। 65 किग्रा भार वर्ग में पेरों की टीम ने कालांवाली को पराजित किया। विजेता टीमों को ट्राफी सहित नगद पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा रस्साकशी मुकाबले बाबा नागा जी युवा क्लब तथा बाल्मीकि युवा क्लब के बीच करवाए गए जिसमें बाबा नागा जी युवा क्लब टीम विजेता रही और फाइनल मुकाबला श्री गुरु रविदास जी युवा क्लब और बाबा नागा जी युवा क्लब की टीम के बीच हुआ, जिसमें बाबा नागा जी युवा क्लब टीम अव्वल रही।

कार्यक्रम

लंगर हॉल का निर्माण श्रद्धालुओं और जरूरतमंदों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम : बराला

श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम ट्रस्ट का वार्षिक समारोह, बराला ने किया लंगर हॉल का शिलान्यास

जरूरतमंदों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे समाज सेवा की परंपरा को मजबूती मिलेगी

■ राज्यसभा सांसद ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम ट्रस्ट द्वारा वार्षिक समारोह एवं लंगर हॉल के शिलान्यास का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ वेद मंत्रोच्चारण और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने लंगर हॉल का शिलान्यास किया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि इस लंगर हॉल के निर्माण से जरूरतमंदों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे समाज सेवा की परंपरा को और अधिक मजबूती मिलेगी। श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम से विचार स्वामी ध्यान प्रेमानंद जी व स्वामी विज्ञान प्रेमानंद जी ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि सांसद सुभाष बराला ने अपने संबोधन में कहा कि श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम ट्रस्ट समाज सेवा और आध्यात्मिक जागरूकता के क्षेत्र में जो योगदान दे रहा है, वह सराहनीय है। यह ट्रस्ट न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। लंगर हॉल का निर्माण श्रद्धालुओं और जरूरतमंदों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलेगा। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दुड़ाराम, चेयरमैन वेद फुला, शम्मी ढींगडा, रामराज मेहता, भारत भूषण गर्ग, रणबीर चौधरी सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी रहे, जिन्होंने ट्रस्ट की गतिविधियों की सराहा।

फतेहाबाद। कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद सुभाष बराला।

स्वामीनंद महाराज का पावन समाधि स्थल

स्वामी ध्यान प्रेमानंद ने बताया कि विचार आश्रम मंदिर दिव्य एवं भव्य स्वरूप को लिए हुए पवित्र तपो भूमि है, जिसमें स्वामीनंद महाराज का पावन समाधि स्थल है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1967 में स्वामी आत्मानंद जन कल्याणार्थ भ्रमण करते हुए फतेहाबाद पधारे थे। उस समय यहां रेत का टीला हुआ करता था। स्वामी जी ने भविष्यवाणी की थी कि यहां भगवान शंकर का पदार्पण हुआ था और एक दिन यहां विशाल धार्मिक स्थान बनेगा। यहां की तपो भूमि की महत्ता को समझते हुए यहीं के हो गए। उन्होंने बताया कि 16 मार्च 1970 को स्वामी आत्मानंद महाराज ज्योति ज्योत समा गए। उन्होंने कहा कि मंदिर में आने वाले हर श्रद्धालुओं को सामाजिकता के साथ-साथ प्रेम, भक्ति एवं एकजुटता का संदेश नाम शब्द के रूप में दिया जाता है।